धर्म का आचरण ही मोक्ष का मार्ग है - आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 13 अगस्त, 2010

दुनिया में सुख भी होता है तो दु:ख भी होता है, दु:ख मनुष्य के जीवन के साथ जुड़ा हुआ है, जन्म लेना भी एक दु:ख है। बुढ़ापा भी दु:ख है, युवा अवस्था में बीमारी आ जाती है तो शक्ति क्षीण हो जाती है। किसी अवस्था में बीमारी हो जाए वह भी दु:ख है। मृत्यु भी दु:ख, आदमी मौत के नाम से भी घबराता है मृत्यु भी एक दु:ख है, जो व्यक्ति सम्यकत्व धर्म का आचरण करते हैं वे दु:ख से पार पा सकते हैं। दु:ख मुक्ति का मार्ग है साधना के पथ पर आगे बढ़ना, जहां पूर्णतया दु:ख मुक्ति है वह मोक्ष का स्थान है।

उक्त विचार तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने तेरापंथ भवन में उपस्थित जनमेदनी को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि मनुष्य कभी अल्प सुख के लिए बहुत को खो देता है, थोड़े सुख के लिए बहुत को खो देता है वह बुद्धिमानता नहीं होती। वह थोड़े सुख के लिए पाप कर्म भी कर देता है जो उसे कभी न कभी भुगतना पड़ता है और अपनी गति को भी खराब कर लेता है। धर्म का आचरण करने वाला अहिंसा, अचौर्य, समता, तपस्या की साधना करता है वह मनुष्य मोक्ष को प्राप्त हो सकता है।

मुंबई से समागत सुफी समाज के संत वासन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जो आचार्य महाप्रज्ञ का आशीर्वाद सुफी समाज पर था वही वात्सल्य और आशीर्वाद हमें निरंतर आचार्य महाश्रमण से प्राप्त होता रहे, और सूफी समाज व जैन समाज का संबंध निरंतर बना रहे, उनके अवदानों को आगे बढ़ाने का प्रयास करने की बात कही। इनके साथ मुंबई से आए सुशील बड़ाला भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बाड़मेर जिले के टापरा के लोग उपस्थित हुआ उन्होंने आचार्यश्री महाश्रण द्वारा घोषित 2013 के मर्यादा महोत्सव की घोषणा के उपलक्ष में आचार्यश्री महाश्रमण को कृतज्ञता पत्र भेंट किया। दिशा दृष्टि मैगजीन के प्रधान संपादक राधेश्याम ने आचार्य महाश्रमण को मैगजीन की प्रति भेंट की।

सूफी संत वासन, दिशा दृष्टि मैगजीन के प्रधान संपादक का आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति की तरफ से अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, महामंत्री रतन दूगड़, स्वरूपचन्द बरड़िया ने साहित्य भेंट कर स्वागत किया।

महात्मा महाप्रज्ञ क्वीज प्रतियोगिता 26 को

सरदारशहर 13 अगस्त 2010

तेरापंथ सभा द्वारा 26 अगस्त की रात्रि 7.30 बजे आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में महात्मा महाप्रज्ञ क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। मुनि जयंतकुमार एवं मुनि भव्य कुमार के निर्देशन में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के मुख्य राउंड में पहुंचने के लिए 26 को सायं 7 बजे आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। तेरापंथ भवन में नया चिंतन, नया अन्दाज की तर्ज पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने बताया कि यह प्रतियोगिता आचार्य महाप्रज्ञ को अनुपम श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित है।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा का प्रतिनिधि सम्मेलन आज

तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा तीन दिवसीय प्रतिनिधि सम्मेलन आज (14 अगस्त) से प्रारंभ होकर 16 अगस्त तक चलेगा जिसमें देश भर से कोने-कोने से लगभग 200 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

तेरापंथी महासभा के उपाध्यक्ष रतनदूगड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महासभा तेरापंथ धर्मसंघ की शीर्षस्थ संस्था है, यह आयोजन प्रतिवर्ष आचार्यों के सान्निध्य में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष सरदारशहर में आचार्यश्री के चातुर्मास में उनके सान्निध्य में यह आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी का विशेष योगदान दिया जा रहा है।

- शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)